भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 02–01–2021

नववर्ष दिवस अवसर पर श्री नरेन्द्र सिंह तोमर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ बैठक

01 जनवरी 2021 माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र तोमर जी, माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला एवं श्री कैलाश चौधरी ने भाकृअनुप के महानिदेशक, उपमहानिदेशक, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक एवं वैज्ञानिकों के साथ आनलाइन बैठक की जिसमें अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह सम्मिलित हुए। बैठक के प्रारंभ में श्री संजय कुमार सिंह, अतिरिक्त सचिव डेयर व सचिव भाकृअनुप ने सभी का स्वागत करते हुए शुभारम्भ किया।

बैठक में माननीय मंत्री जी ने कहा कि 2021 के पहले दिन आज हम कोई संकल्प करें और उसे पूरा करने की तैयारी में जुट जायें। कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि के विकास हेतु अपनो भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं और वैसा ही किसानों द्वारा आदर पाते है। भाकृअनुप एवं मंत्रालय का योगदान कृषि विज्ञान केन्द्रों को सुदृढ़ बनाने में कैसे हा, देखना है। सफलता की कहानियाँ बहुत मिलती हैं, उनका जगह–जगह प्रचार–प्रसार हो। कम लागत में उत्पादन कैसे बढ़ाये, भण्डारण क्षमता का विकास, बाजार व्यवस्था सुदृढ़ हो। उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ी है, आय वृद्धि की ओर ध्यान आकृष्ट होना चाहिए। कृषि शिक्षा, कृषि वैज्ञानिक का योगदान उत्पादन बढ़ाने में सहायक है। भारत सरकार यदि हाथ खींच ले तो भाकृअनुप लड़खड़ा जायेगी। अतः भाकृअनुप अपनी आय बढ़ाये। आय के स्त्रोत हेतु भाकृअनुप आत्मनिर्भर हो व सरकार को सहयोग करें क्योकि देश को इस पर गर्व है।

डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप ने माननीय मंत्री जी का स्वागत व अभिनन्दन किया और कहा कि 2020 हमारे लिये एक विपदापूर्ण वर्ष था। 2021 में आशा की किरण दिख रही है। पिछला वर्ष सभी के लिये संघर्षपूर्ण रहा है। 270 किस्मों का विकास किया है। 18 किस्में बायोफोर्टिफाइड हैं। 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने 17 किस्मों का खुलासा किया। 5 दिसम्बर 2020 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया व 30

तारीख को डिजीटल इंडिया अवार्ड माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिया गया। कई नये केवीके और भाकृअनुप संस्थानों के भवनों का लोकार्पण किया गया। कोविड–19 के दौरान संस्थान और कृषि विज्ञान केन्द्र आनलाइन माध्यमों से जुड़े रहे। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषकों के लिये एडवाइजरी भी जारी की गईं। मत्स्य पालन में मछली हेतु वैक्सीन बनाई गई है। मछलियों की 16 नई प्रजातियाँ विकसित की गई हैं। सी–फूड का क्षेत्र विस्तारित किया गया है। 55 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। 3.5 लाख सी.एस.सी. के साथ जुड़कर कार्य को सफल बना रहे हैं। 1.2 लाख किसान टेलीकम्यूनिकेशन से जोड़े गये। आई.टी. सेक्टर का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग किया जाये। पोषण माह मे 75 हजार से ज्यादा किसान एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आगे आये। विद्यार्थियों को भी इससे जाड़ा जाये। इसके लिये ई–कोर्स डिजाइन किया जा सकता है। किसान की आमदनी को दुगनी कैसे करें, इस बात पर भी विचार किया जाना चाहिए। अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार किये जाने चाहिए।

अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. ए.के. सिंह उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) ने कहा कि निदेशक भाकृअनुप के लक्ष्यों का अनुपालन करेंगे।

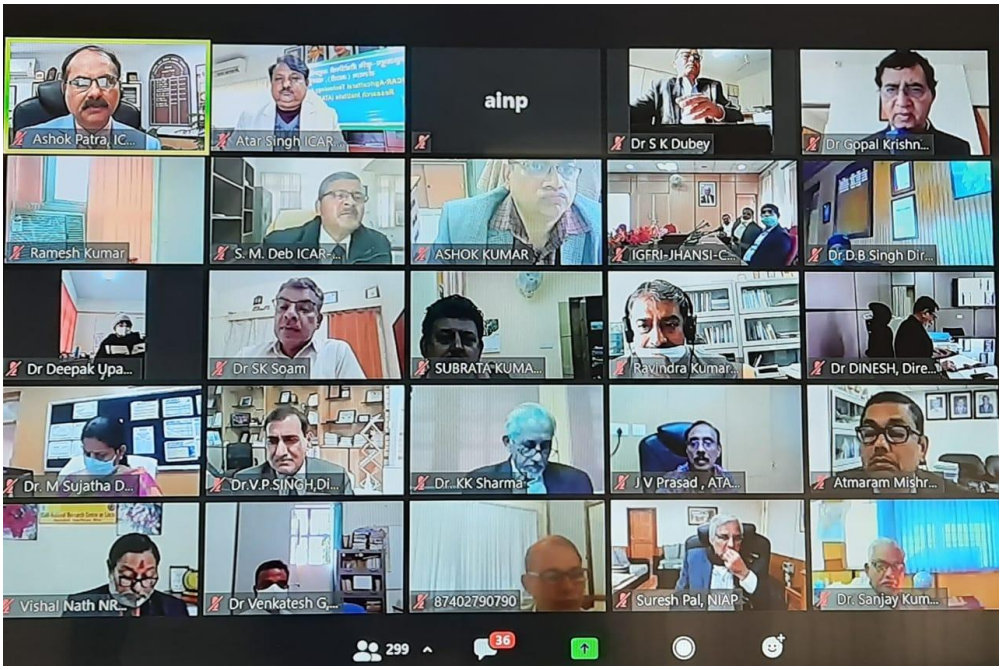

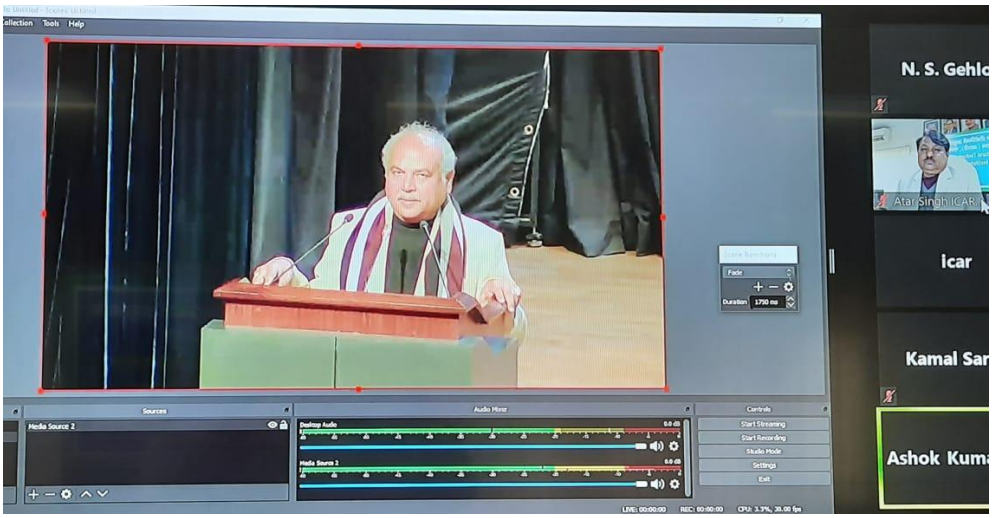

Collection
Tools
Help
N. S. Gehlo
Atar Singh ICAR
icar
Kamal Sar
Ashok Kuma
Sources
Media Source 2
Audio Mixer
Desktop Audio
Media Source 2
Controls
Start Streaming
Start Recording
Studio Mode
Settings
Exit

View
Dr S K Dubey
Dr Gopal Kris...
icar
ainp
Remove Pin